

---

---

---

---

---

---

---

---

**Sabbath Services**  
**10 May 2014**

**The Symbols of our Faith**



---

---

---

---

---

---

---

---

**Christian Symbols**



---

---

---

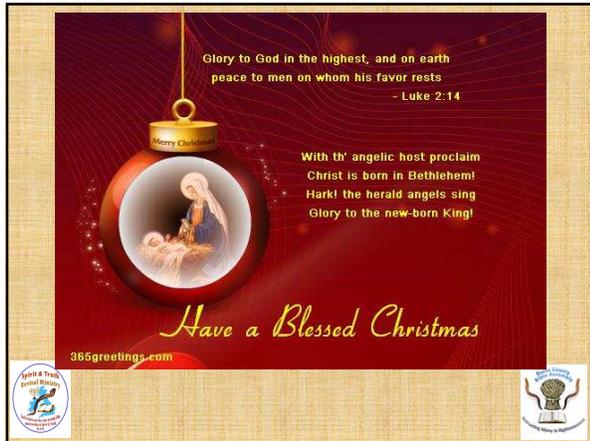
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

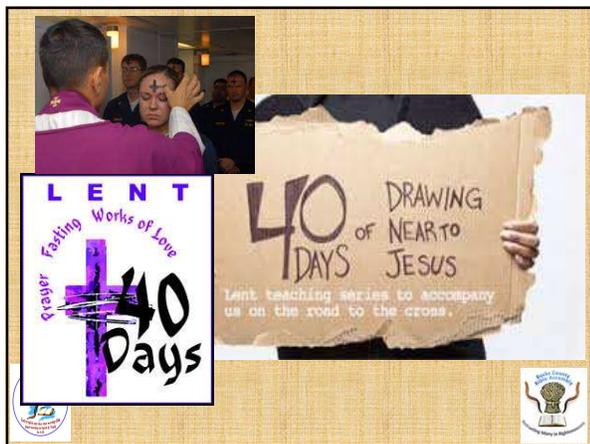
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

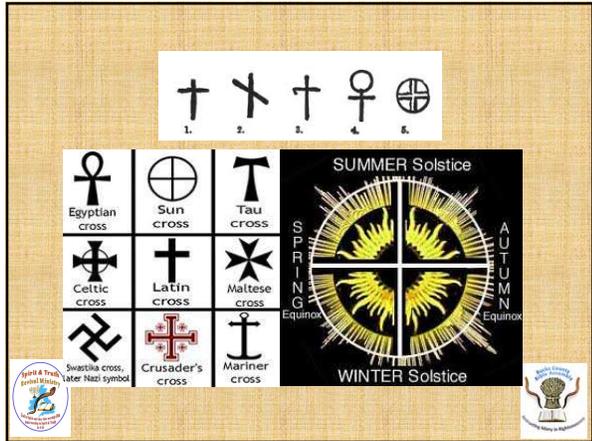
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

## Ezekiel 8:13-18



---

---

---

---

---

---

---

---

## Ezekiel 8:13-18

V14 Then he brought me to the door of the gate of **YHWH**'s house which was toward the north; and, behold, **there sat women weeping for Tammuz**.

V16 - and, behold, at the door of the temple of **YHWH**, between the porch and the altar, were about five and twenty men, **with their backs toward the temple of YHWH, and their faces toward the east; and they worshipped the sun toward the east.**



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

Easter (English)  
 Eastre (Anglo-Saxon)  
 Ishtar (Babylonian)  
 Ashtaroth (Hebrew)  
 Astarte (Greek)

**Astarte** is the Phoenician and Greek "fertility goddess."  
**Ashtaroth** is the Hebrew name for the Canaanite "fertility goddess."  
**Ishtar** is the Babylonian "fertility goddess."  
**Eastre** is the Anglo-Saxon "fertility goddess."

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jeremiah 44:16-23**

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jeremiah 44:16-23**

V17 - But we will certainly do whatsoever thing goeth forth out of our own mouth, to burn incense unto the queen of heaven, and to pour out drink offerings unto her, as we have done, we, and our fathers, our kings, and our princes, in the cities of Judah, and in the streets of Jerusalem: for then had we plenty of victuals, and were well, and saw no evil.

---

---

---

---

---

---

---

---

## Feast of Saturnalia



**25<sup>th</sup> December**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Jeremiah 10:1-5



---

---

---

---

---

---

---

---

## Jeremiah 10:1-5

V3-4 - For the customs of the people are vain: **for one cutteth a tree out of the forest, the work of the hands of the workman, with the axe. They deck it with silver and with gold;** they fasten it with nails and with hammers, that it move not.



---

---

---

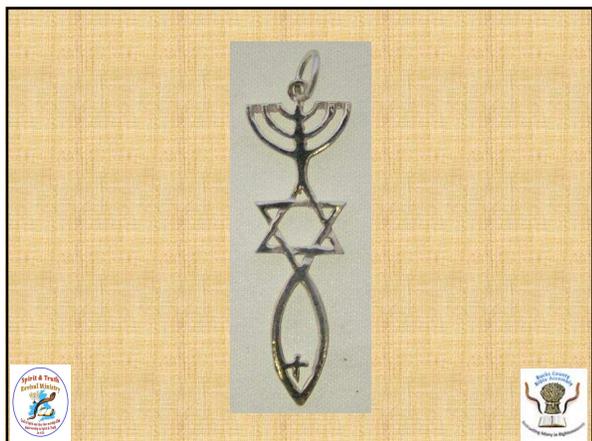
---

---

---

---

---



---

---

---

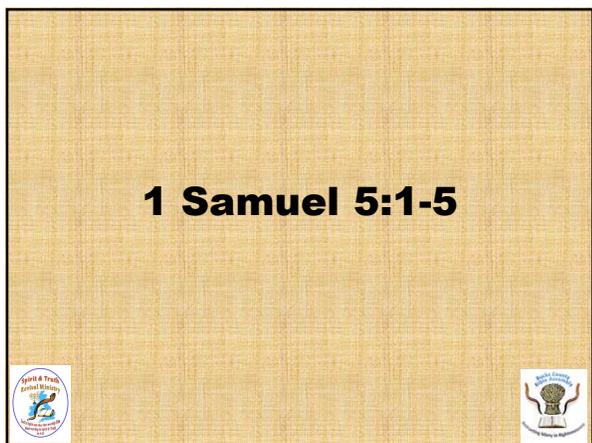
---

---

---

---

---



---

---

---

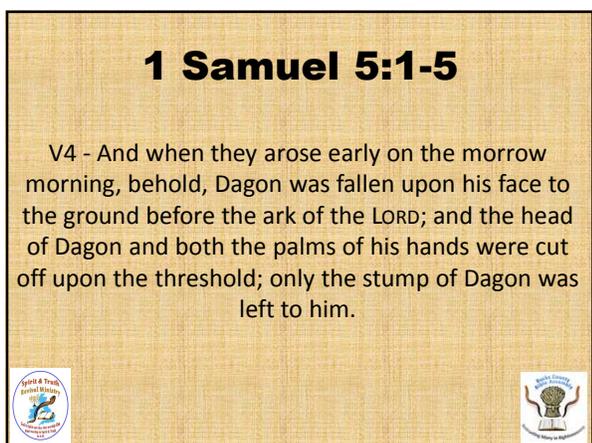
---

---

---

---

---



---

---

---

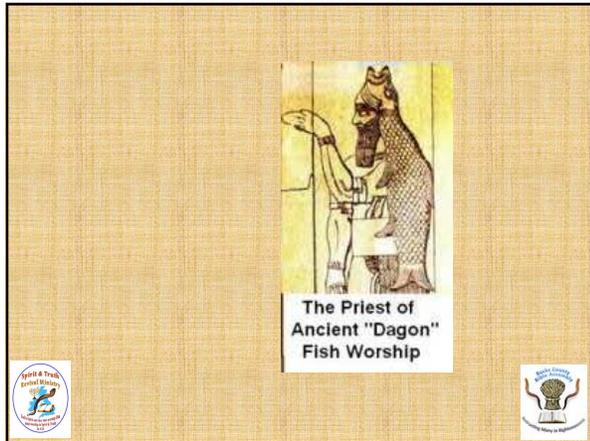
---

---

---

---

---



---

---

---

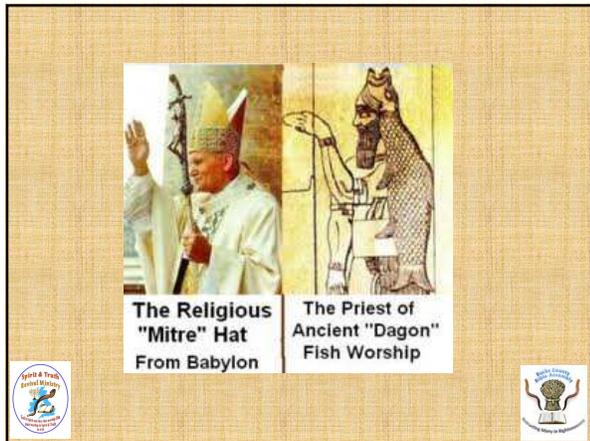
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

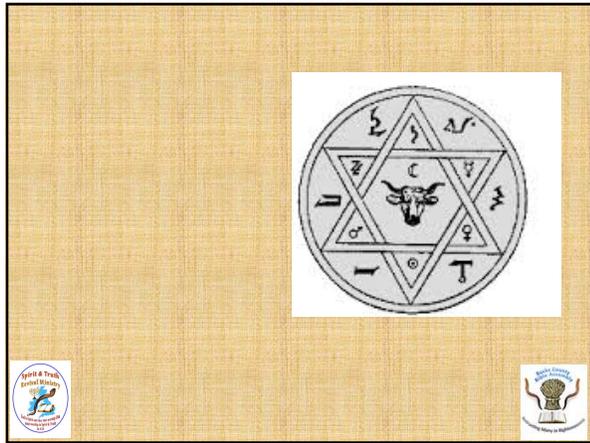
---

---

---

---

---



---

---

---

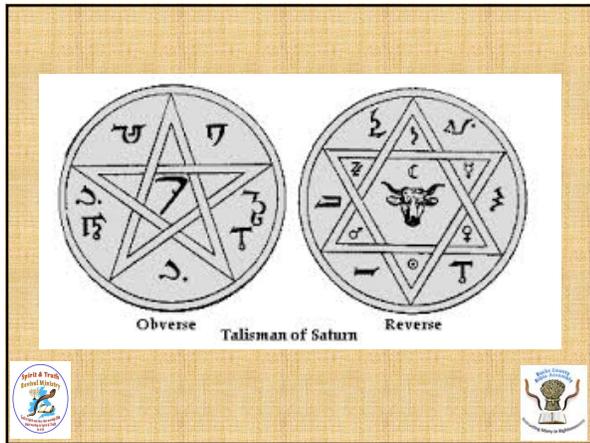
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

**Amos 5:25-27**

---

---

---

---

---

---

---

---

### Amos 5:25-27

V26 - But ye have borne the tabernacle of your Moloch and Chiun your images, the star of your god, which ye made to yourselves.



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1 Corinthians 11:2-7



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1 Corinthians 11:2-7

V4 - Every man praying or prophesying, having his head covered, dishonoureth his head.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Exodus 31:12-17**





---

---

---

---

---

---

---

---

**Exodus 31:12-17**

V13 - Speak thou also unto the children of Israel, saying, **Verily my Sabbaths ye shall keep: for it is a sign between me and you throughout your generations; that ye may know that I am **YHWH** that doth sanctify you.**





---

---

---

---

---

---

---

---

**Leviticus 23:1-8**





---

---

---

---

---

---

---

---

### Leviticus 23:1-8

V3-4 - Six days shall work be done: but the seventh day is the Sabbath of rest, an set apart convocation; ye shall do no work therein: it is the Sabbath of **YHWH** in all your dwellings. These are the feasts of **YHWH** , even set apart convocations, which ye shall proclaim in their seasons.



---

---

---

---

---

---

---

---

### Joshua 6:1-11



---

---

---

---

---

---

---

---

### Joshua 6:1-11

V4 - And seven priests shall bear before the ark seven trumpets of rams' horns: and the seventh day ye shall compass the city seven times, and the priests shall blow with the trumpets.



---

---

---

---

---

---

---

---

## Exodus 31:1-11





---

---

---

---

---

---

---

---

## Exodus 31:1-11

V7-9 - The tabernacle of the congregation, and the **ark of the testimony**, and the **mercy seat** that is thereupon, and all the furniture of the tabernacle, and **the table** and his furniture, and the pure **candlestick** with all his furniture, and the **altar of incense**, and the **altar of burnt offering** with all his furniture, and **the laver** and his foot





---

---

---

---

---

---

---

---



**Outer Court Furnishings**

- Bronze Altar Ex. 27:1-8; 38:1-7
- Bronze Laver Ex. 38:8

**Holy Place Furnishings**

- Golden Lampstand Ex. 25:31-40; 37:17-24
- Gold Altar of Incense Ex. 37:25-28
- Table of Showbread Ex. 25:23-30; 37:10-16

**Holy of Holies Furnishings**

- Ark and the Mercy Seat Ex. 25:10-22; 37:1-9





---

---

---

---

---

---

---

---

**Deuteronomy 9:1-11**



---

---

---

---

---

---

---

---

**Deuteronomy 9:1-11**

V10 - And **YHWH** delivered unto me two tables of stone written with the finger of the Mighty One; and on them was written according to all the words, which **YHWH** spake with you in the mount out of the midst of the fire in the day of the assembly.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Numbers 15:37-41**



---

---

---

---

---

---

---

---

### Numbers 15:37-41

V38-39 - Speak unto the children of Israel, and bid them that they **make them fringes in the borders of their garments throughout their generations, and that they put upon the fringe of the borders a ribband of blue:** And it shall be unto you for a fringe, that ye may look upon it, and remember all the commandments of **YHWH**, and do them ; and that ye seek not after your own heart and your own eyes, after which ye use to go a whoring:



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

### Deuteronomy 11:13-22



---

---

---

---

---

---

---

---

## Deuteronomy 11:13-22

V20-22 - **And thou shalt write them upon the door posts of thine house**, and upon thy gates: That your days may be multiplied, and the days of your children, in the land which **YHWH** swore unto your fathers to give them, as the days of heaven upon the earth. **For if ye shall diligently keep all these commandments which I command you, to do them, to love YHWH your Mighty One, to walk in all his ways, and to cleave unto him;**



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

## Exodus 3:1-6



---

---

---

---

---

---

---

---

### Exodus 3:1-6

V2 - And the angel of **YHWH** appeared unto him in a flame of fire out of the midst of a bush: and he looked, and, behold, the bush burned with fire, and the bush was not consumed.





---

---

---

---

---

---

---

---

### Numbers 21:4-9



---

---

---

---

---

---

---

---

### Numbers 21:4-9

V8 - And **YHWH** said unto Moses, Make thee a fiery serpent, and set it upon a pole: and it shall come to pass, that every one that is bitten, when he looketh upon it, shall live.





---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 5:1-10**



---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 5:1-10**

V5 – 6 - And one of the elders saith unto me, Weep not: **behold, the Lion of the tribe of Judah**, the Root of David, hath prevailed to open the book, and to loose the seven seals thereof. And I beheld, and, lo, in the midst of the throne and of the four beasts, and in the midst of the elders, **stood a Lamb as it had been slain**, having seven horns and seven eyes, which are the seven Spirits of the Might One sent forth into all the earth.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 4:9-12**



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 4:9-12

V5 - And he received the sign of circumcision, a seal of the righteousness of the faith which he had yet being uncircumcised: that he might be the father of all them that believe, though they be not circumcised; that righteousness might be imputed unto them also:



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 2:25-29



---

---

---

---

---

---

---

---

## Romans 2:25-29

V29 - But he is a Jew, which is one inwardly; and circumcision is that of the heart, in the spirit, and not in the letter; whose praise is not of men, but of the Mighty One.



---

---

---

---

---

---

---

---

**Next Week's Message**

**The Lost Tribes**

**Services Start at 1:30 pm**



---

---

---

---

---

---

---

---